बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा मिला 'अ' ग्रेड

उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने उच्च शिक्षा विभाग और विश्वविद्यालय परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं

माधव एक्सप्रेस • प्रतिनिधि
www.madhavexpress.com

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने भोपाल स्थित बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा अ ग्रेड प्रत्ययित होने की महत्वपूर्ण एवं गौरवपूर्ण उपलब्धि मिलने पर उच्च शिक्षा विभाग एवं विश्वविद्यालय परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के यशस्वी नेतृत्व में राज्य सरकार, विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारपरक उच्च शिक्षा प्रदान करने की दिशा में प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सतत नवीन आयाम स्थापित हो रहे हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं प्रगति के साथ, शैक्षणिक एवं अकादमिक स्तर पर उत्तरोत्तर गुणवत्ता वृद्धि हो रही है। विद्यार्थियों के गुणात्मक एवं संज्ञानात्मक विकास के लिए मजबूत आधार तैयार करने, शोध एवं नवाचारों को बढ़ावा देने, उद्योगजगत की आवश्यकता अनुरूप रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की समावेशिता को बढ़ावा देने और देश की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित एवं संवर्धित करने के लिए सतत कार्य किए जा रहे हैं। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार जैन के नेतृत्व में विश्वविद्यालय परिवार अपने पुरुषार्थ से नए आयाम स्थापित कर रहा है। विश्वविद्यालय का, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा निर्धारित मानकों पर खरा उतरकर, सर्वोत्कृष्ट उपलब्धि अर्जित करना प्रशंसनीय एवं सराहनीय है। श्री परमार ने कहा कि यह मान्यता मिलने से विश्वविद्यालय के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और अनुसंधान अनुदान के साथ राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंचों पर संस्थागत दृश्यता की नई राहें प्रशस्त होंगी। विद्यार्थियों के लिए बेहतर प्लेसमेंट एवं रोजगार के लिए नए अवसरों का सृजन होगा। श्री परमार ने कहा कि नैक द्वारा प्रत्यन से वंचित प्रदेश के अन्य समस्त उच्च शिक्षण संस्थान, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय भी राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के मानकों पर खरा उतरने के लिए प्रयास करें। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की टीम ने भोपाल स्थित बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय का 23 से 25 जुलाई तक निरीक्षण कर विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रम गुणवत्ता, शिक्षण-प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन, शोध, नवाचार, आधारभूत ढांचा एवं संसाधन, विद्यार्थी सहयोग एवं प्रगति, गवर्नेंस एवं लीडरशिप मैनेजमेंट सहित विविध मानकों के आधार पर परखा था। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय को निर्धारित मानकों पर 'अ' ग्रेड से प्रत्ययित किया गया है। उल्लेखनीय है कि बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय (जिसे पहले भोपाल विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता था) की स्थापना वर्ष 1970 में, प्रदेश की राजधानी भोपाल में हुई थी। वर्ष 1988 में इसका नाम बदलकर बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय कर दिया गया था। विश्वविद्यालय को ठअअउ द्वारा वर्ष 2015 में 'इ' ग्रेड प्रदान किया गया था। बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल को वर्ष 2025 में वैश्विक विश्वविद्यालय रैंकिंग (एमईआई विश्व रैंकिंग-2025) द्वारा भी योग्यता, उत्कृष्टता और प्रभाव के लिए विशिष्ट रैंकिंग भी प्रदान की गई है।

संक्षिप्त खबरें

बीयू में इमर्जिंग टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन का समापन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के बीयूआईटी में चल रहे तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर कार्यशाला इमर्जिंग टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन का समापन बुधवार को हो गया है। इसके पूर्व अंतरराष्ट्रीय कंपनी डेलॉइट हैदराबाद से विषय विशेषज्ञ डॉ संदीप शर्मा द्वारा इंटरेक्टिव सेशन लिया। एम्प्रि के वैज्ञानिक डॉ एचएन भार्गव द्वारा इनोवेशन और स्टार्टअप जैसे जटिल विषय पर बेहतरीन व्याख्यान दिया गया, जिससे विद्यार्थी अत्यधिक उत्साहित एवं लाभान्वित हो सके। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में महाराजा छत्रसाल विश्वविद्यालय छतरपुर की कुलगुरू डॉ सुभा तिवारी ने शिरकत की। इस अवसर पर बीयू कुलगुरु डॉ सुरेश कुमार जैन, बीयूआईटी डायरेक्टर डॉ नीरज गौर ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वीआईटी वेल्लोर, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों के अतिरिक्त भोपाल के ओरिएंटल, टीआईटी, आईईएस, एसआईआरटी, सिस्टेक कॉलेजों के 320 विद्यार्थियों ने द्वारा रजिस्ट्रेशन कराए। रोबोटिक्स में 25 टीम के 85 विद्यार्थियों ने भागीदारी की। 15 पेपर प्रेजेंट किये गये एवं 84 विद्यार्थियों ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में नवाचार की दिशा मेंअपनी कला को कैनवास पर उकेरा। रोबोटिक्स प्रतियोगिता में जीटीएक्स बोट टीम प्रथम, टेक टाइटन टीम द्वितीय और दीपेश गर्ग टीम तृतीय स्थान पर रही। प्रोत्साहन पुरस्कार रोबो ग्रुप-3 को प्रदान किया गया।

15 रिसर्च पेपर किये गए पेजेंट

कभी नहीं भूलते।

युवा-शिक्षा-अवसर

बीयू, विक्रम और जीवाजी यूनिवर्सिटी को मिलेंगे 100-100 करोड़ रुपए, पांच अन्य विवि को 20-20 करोड़ रुपए मिलेंगे

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय : 26 विभागों से लेंगे प्रस्ताव, इसमें लैब, वाई-फाई कैंपस, लाइब्रेरी और रिसर्च पर 100 करोड़ रुपए होंगे खर्च

एजुकेशन रिपोर्टर | भोपाल

राजधानी के बरकतउल्ला विवि सहित तीन विश्वविद्यालयों को 100-100 करोड़ रुपए मिलेंगे। यह राशि नवाचार, रिसर्च और इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित कामों में खर्च की जाएगी। वर्तमान में बीयू वाईफाई कैंपस नहीं है। इसी के साथ लैब और आधुनिक लाइब्रेरी भी यहां की बड़ी जरूरत है। इसे मद्देनजर यहां 26 विभागों से प्रस्ताव मांगे गए हैं। उसके बाद इसके लिए काम शुरू होगा।

मंगलवार को प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-उषा) के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 400 करोड़ रुपए प्रदेश के विश्विद्यालयों को दिए। भोपाल में बीयू में हुए कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री मोहन यादव उपस्थित रहे। पीएम उषा के तहत बीयू, विक्रम विवि उज्जैन और जीवाजी विवि ग्वालियर को 100-100 करोड़ रुपए दिए गए हैं। विवि के कुलपति डॉ. एसके जैन ने बताया कि विभागों से प्रस्ताव मांग कर पूछेंगे कि उन्हें किस मद के लिए राशि चाहिए।

जम्मू से 'पीएम उषा' के लॉन्च कार्यक्रम का लाइव प्रसारण हुआ था। इस दौरान बीयू में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, सीएम डॉ. मोहन यादव और कुलपति प्रो. एसके जैन वर्चुअली जुड़े।

पीएम नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम उषा) को लॉन्च किया।

डिजिटल लॉन्च कार्यक्रम में मध्यप्रदेश को राशि जारी की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-उषा) के अंतर्गत जम्मू में आयोजित कार्यक्रम में जम्मू एम्स सहित 32 हजार करोड़ की 220 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण, उद्घाटन और शिलान्यास किया। मप्र के विश्वविद्यालयों को दी 400 करोड़ रुपए की सौगातें दीं।

वेबिनार, एजुकेशनल टूर, संकाय संवर्धन की सुविधा मिलेगी

इनके अलावा ग्रांट टू स्ट्रेंथन यूनिवर्सिटीज (जीएसयू) कंपोनेंट के तहत में देवी अहिल्या विवि इंदौर, रानी दुर्गावती विवि जबलपुर, अवधेश प्रताप सिंह विवि रीवा, पंडित एसएन शुक्ल और महाराज छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय को 20-20 करोड़ रुपए की सहायता स्वीकृत की गई है। इससे यूनिवर्सिटी में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए प्रशासनिक भवन, अकादमिक भवन, रिसर्च लैब, लाइब्रेरी बिल्डिंग, कम्प्यूटर लैब, हॉस्टल और क्लासरूम का निर्माण होगा। इसी के साथ नेशनल और इंटरनेशनल कांफ्रेंस, सेमिनार, वेबिनार, एजुकेशनल टूर, संकाय संवर्धन की सुविधा मिलेगी।

यहां खर्च की जा सकती है राशि

- छात्राओं की संख्या के हिसाब से नए गर्ल्स हॉस्टल की जरूरत।
- एग्रीकल्चर इंस्टिट्यूट निर्माण की जरूरत।
- बीयूआईटी में कंप्यूटर लैब का अपग्रेडेशन।
- लाइब्रेरी का उन्नयन, सेंट्रल लाइब्रेरी का निर्माण।
- कैंपस में वाई-फाई सुविधा।
- विभिन्न विभागों में।

नवाचार और रिसर्च के क्षेत्र में नये आयाम स्थापित होंगे

इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस राशि से विश्वविद्यालयों में छात्र हित में कई कार्य हो सकेंगे। इसमें रिसर्च और इनोवेशन प्रमुख है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में लगातार विकास होगा और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। इस दौरान निजी विवि विनियामक आयोग के अध्यक्ष डॉ. भरतशरण सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दो लोगों के का निपटा ई-ऑफिस

वर्ल्ड रैंकिंग्स में बीयू को मिली वैश्विक स्तर की मान्यता

बीयू के कुलगुरु डॉ. प्रोफेसर जैन ने शिक्षकों, छात्रों और प्रशासनिक टीम को दी बधाई

स्वदेश ज्योति

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में बी ट्रेल का उद्घाटन

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के परिसर में पहला मधुमक्खी ट्रेल मिला। यूटीएमटी सोसाइटी और द नेचर वालंटियर्स सोसाइटी ने मार्च में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में एमपी का पहला बी ट्रेल स्थापित किया। तीसरे बी ट्रेल में डंक रहित मधुमक्खी के छत्ते हैं और इसमें देशी मधुमक्खियों की विभिन्न प्रजातियों के बारे में सूचना बोर्ड है। बी ट्रेल को डीसीबी बैंक द्वारा अपने सीएसआर कार्यक्रमों के एक भाग के रूप में समर्थित किया जाता है, जो जैव विविधता का समर्थन करता है। बी ट्रेल यूटीएमटी सोसाइटी और टीएनवी द्वारा 20 मई को आयोजित कार्यक्रम का अनुवर्ती है। बी ट्रेल का उद्घाटन बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एसके जैन ने किया। प्रो. श्रीनिवासन (टीएनएयू, कोयंबटूर) और डॉ. लक्ष्मी राव (पूर्व) जैसे क्षेत्र के प्रसिद्ध विशेषज्ञों की उपस्थित सहायक निदेशक, सीबीआरटीआई, पुणे)। अभिलाष खांडेकर, सह-संस्थापक और उपाध्यक्ष, टीएनवी सोसाइटी और किशोरइस अवसर पर डीसीबी बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख कुमार ने अपने विचार रखे।

Bhopal Main-Edition Edition
Mar 4, 2025 Page No. 3

बायोइंफॉर्मेटिक्स व मशीन लर्निंग पर हुई कार्यशाला

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विवि के बायोटेक विभाग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग और बायोइन्फॉर्मेटिक्स पर आधारित सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई। इसमें देश के विभिन्न संस्थानों से आए विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने भाग लिया। कार्यशाला में एआई एवं मशीन लर्निंग की मूल अवधारणाओं, प्रोटीओमिक्स, जीनोमिक्स, मेटाबोलोमिक्स, कोडॉन ऑप्टिमाइजेशन, वैक्सीन तकनीक, आणविक मार्कर, ड्रग डिजाइन, कैंसर निदान, मल्टी-ओमिक्स डेटा विश्लेषण तथा न्यूरल नेटवर्क आधारित बायोइन्फॉर्मेटिक्स टूल्स जैसे विषयों पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। वक्ताओं ने आधुनिक जीवन विज्ञान, स्वास्थ्य देखभाल और प्रिसीजन मेडिसिन में संगणकीय तकनीकों की बढ़ती भूमिका पर विशेष बल दिया। डॉ. किशोर शेंडे ने सात दिवसीय कार्यशाला का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यशाला की संयोजक प्रो. रागिनी गोथलवाल ने विभिन्न संस्थानों के सहयोग, प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी तथा सभी संसाधन व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त किया। रजिस्ट्रार प्रो. समर बहादुर सिंह ने प्रतिभागियों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं। कुलपति प्रो. सुरेश कुमार जैन ने प्रायिकता सिद्धांत, मशीन लर्निंग व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के वर्तमान परिदृश्य में महत्व पर बल देते हुए अपने विचार साझा किए।

एआई से बनेगी वैक्सीन और मशीन लर्निंग से होगा कैंसर का पता, बीयू में सात दिन चला भविष्य का विज्ञान

बायोइन्फॉर्मेटिक्स पर आधारित सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग और बायोइन्फॉर्मेटिक्स पर आधारित सात दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया, जिसमें देश के विभिन्न संस्थानों से आए विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने भाग लिया। कार्यशाला में एआई एवं मशीन लर्निंग की मूल अवधारणाओं, प्रोटीओमिक्स, जीनोमिक्स, मेटाबोलोमिक्स, कोडॉन ऑप्टिमाइजेशन, वैक्सीन तकनीक, आणविक मार्कर, ड्रग डिज़ाइन, कैंसर निदान, मल्टी-ओमिक्स डेटा विश्लेषण तथा न्यूरल नेटवर्क आधारित बायोइन्फॉर्मेटिक्स टूल्स जैसे विषयों पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। वक्ताओं ने आधुनिक जीवन विज्ञान, स्वास्थ्य देखभाल और प्रिसीजन मेडिसिन में संगणकीय तकनीकों की बढ़ती भूमिका पर विशेष बल दिया। समापन सत्र में आयोजकों ने सभी संसाधन व्यक्तियों, प्रतिभागियों और सहयोगी संस्थानों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में ऐसे वैज्ञानिक आयोजनों की निरंतरता पर जोर दिया। समापन सत्र में डॉ. किशोर शेंडे ने सात दिवसीय कार्यशाला का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यशाला की संयोजक प्रो. रागिनी गोथलवाल ने विभिन्न संस्थानों के सहयोग, प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी तथा सभी संसाधन व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त किया। रजिस्ट्रार प्रो. एसबी सिंह ने प्रतिभागियों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं। अंत में कुलपति प्रो. एसके जैन ने प्रायिकता सिद्धांत, मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के वर्तमान परिदृश्य में महत्व पर बल देते हुए अपने विचार साझा किए।

yashbharat.co.in

नये जम

यश भार

● वर्ष-11 अंक-239 ● भोपाल ● सोमवार, 8 सितम्बर, 2025 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● आश्विन कृष्ण पक्ष -1 वि

राज्यपाल और सीएम ने प्रदान की डिग्रियां स्वर्ण पदक पाकर छात्रों के चेहरे खिले

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 26 छात्र-छात्राओं को गोल्ड मेडल प्रदान किए गए।

भोपाल, यशभरत। राज्यपाल व कुलाधिपति मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल के दीक्षांत समारोह का कुशाभाउ ठाकरे सभागार में दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। जन गण मन के सामूहिक गान के साथ कार्यक्रम आरंभ हुआ। राज्यपाल व कुलाधिपति मंगुभाई पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अगुवाई में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की शोभा यात्रा ने मंत्रोच्चारण के बीच सभागार में प्रवेश किया। दीक्षांत समारोह के अवसर पर प्रकाशित विश्वविद्यालय की स्मारिक का विमोचन किया गया। राज्यपाल व कुलाधिपति पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को पीएचडी, डी. लिट., डी.एससी. उपाधियां प्रदान की गइं। समारोह में स्वर्ण पदक के पात्र विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्नातक एवं स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान करने के संबंध में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागाध्यक्षों द्वारा घोषणा की गई। कुलगुरु प्रोफेसर जैन ने विद्यार्थियों को हितोपदेश से संबोधित किया तथा उपनिषद से ली गई पंक्तियों के आधार पर शपथ दिलाई। 76 छात्रों को मिली पीएचडी डिग्री समारोह में विश्वविद्यालय परिसर के अलावा संबद्ध कॉलेजों के ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट और शोध स्तर तक के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। इस दौरान 76 विद्यार्थियों को पीएचडी की डिग्री और विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 26 छात्रों को गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। इनमें से 21 मेडल मेरिट के आधार पर दिए गए हैं, जबकि 5 गोल्ड मेडल प्रायोजित हैं।

बीयू दीक्षांत समारोहः सीएम ने विवि में बस चलाए जाने का किया वादा

पीएम-ऊषा योजना के निर्माण कार्यों का किया गया भूमिपूजन

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल
मो.नं. 9827363130

बरकतउल्ला विवि में बुधवार को पीएम उषा परियोजना के अंतर्गत निर्माण कार्यों का भूमि पूजन और दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल हुए।

इस दौरान सीएम डॉ. यादव ने मंच से छात्रों से पूछा कि यहां आप लोगों को बस की सुविधा मिलती है या नहीं। छात्रों के एक स्वर में इंकार करने पर सीएम ने स्टूडेंट्स को जल्द ही बस सुविधा दिलाने का वादा किया। मुख्यमंत्री ने कुलगुरु को निर्देश दिए कि जिन छात्रों को आवश्यकता है, उन्हें बस सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

बड़े तालाब में चलेगा शिकाराः सीएम ने इस दौरान बड़े तालाब में शिकारा चलाने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि बड़े तालाब को कश्मीर की झील जैसे विकसित करने की योजना तैयार है। यहां शिकारे चलाए जाएंगे और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को बीयू में निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया।

स्टूडेंट्स समाज का सम्मान बढ़ाने का सपना देखें

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विद्यार्थी केवल डिग्री तक सीमित न रहें, बल्कि अपने माता-पिता, परिवार और समाज का मान-सम्मान बढ़ाने का सपना देखें। आयोजित कार्यक्रम में राज्य के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार और राज्यमंत्री कृष्णा गौर मौजूद रहीं।

बीयू के विस्तार के लिए मिले 100 करोड़ रुपए

प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-ऊषा) योजना के अंतर्गत बीयू को 100 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। इसमें 55 करोड़ इन्फ्रास्ट्रक्चर और रिनोवेशन के लिए, 37 करोड़ नव-निर्माण पर खर्च होंगे। इसमें कन्या छात्रावास आईटी पार्क और एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट के लिए स्वीकृत हुए हैं।

ग्रीन इनीशिएटिव प्रोग्राम के तहत स्टेट बैंक ने दिए रिक्शे

ई-रिक्शों से बीयू परिसर ध्वनि प्रदूषण से रहेगा मुक्त

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

टेट बैंक ऑफ़ इंडिया, बीयू परिसर को पर्यावरण और ध्वनि दूषण से मुक्त रखने में पूरी मदद करेगा। इसके साथ ही विवि के छात्र ई-रिक्शा में परिसर में आसानी से घूम सकेंगे। बैंक ने सामाजिक जिम्मेदारी अभियान के तहत पर्यावरण सुरक्षा को बनाए रखने पांच ई-रिक्शा उपलब्ध कराए हैं। इन ई-रिक्शों की चाबी स्टेट बैंक के महाप्रबंधक कुंदन ज्योति ने कुलगुरु प्रोफेसर एसके जैन को सौंपी।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अनिल शर्मा ने कहा कि ... स्वच्छ एवं हराभरा रखने के लिए प्रयासरत रहा है। इसमें बैंक का पूरा सहयोग मिल रहा है। वहीं बैंक के महाप्रबंधक कुंदन ज्योति ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्टेट बैंक की शाखा को 50 वर्ष पूरे हो गए। इस दौरान ... सहयोग स्टेट बैंक को दिया है, उसके लिए हम आभारी हैं। इस कार्यक्रम में स्टेट बैंक के डीजीएम साईं कृष्णश्रीधर, बीयू के फाइनेंस कंट्रोलर सगीरा सिद्दीकी, विवि. स्टेट बैंक शाखा की शाखा प्रबंधक पूजा गोयल आदि ... संचालन विवि. के डीएसडब्ल्यू

15 साइकिलें भी देगा जल्दी

बैंक के जीएम ज्योति ने बताया कि विवि. परिसर को हराभरा रखने में 15 साइकिल भी बैंक की ओर से विश्वविद्यालय को दी जाएंगी। कुलगुरु जैन ने कहा कि ई-रिक्शे से विश्वविद्यालय परिसर को हरा भरा रखने तथा पर्यावरण के संरक्षण में मदद मिलेगी। इस मौके पर कुलगुरु ने स्टेट बैंक महाप्रबंधक का शाल एवं श्रीफल से स्वागत किया।

आईआईटी की तर्ज पर होगा बीयू का परिसर, ई रिक्शे के साथ साइकिल की भी होगी सवारी

बीयू परिसर को हरा-भरा रखने ग्रीन कैंपस अभियान के तहत मिले 5 ई-रिक्शे

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल

मो.नं. 9827363130

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय परिसर में हरित परिवहन की दिशा में एक नई पहल की शुरुआत हो गई है। विश्वविद्यालय कैंपस में ई-रिक्शा संचालन की योजना के तहत बुधवार को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ओर से 5 ई-रिक्शे विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराए गए। इन ई-रिक्शों के जरिए परिसर के भीतर आवागमन को आसान, सस्ता और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की तैयारी है।

विश्वविद्यालय प्रशासन का उद्देश्य कैंपस को आईआईटी की तर्ज पर विकसित करना है, जहां आंतरिक परिवहन व्यवस्था आधुनिक और प्रदूषण-मुक्त हो। अभी परिसर में बड़ी दूरी तय करने के लिए निजी वाहन और ऑटो पर निर्भरता बनी रहती है, जिससे ईंधन की खपत और प्रदूषण दोनों बढ़ते हैं। ई-रिक्शे शुरू होने से कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और छात्रों, शिक्षकों व कर्मचारियों को सुरक्षित व सुविधाजनक विकल्प मिलेगा।

भोपाल। बीयू परिसर में खड़े ग्रीन कैंपस अभियान के तहत मिले ई-रिक्शे।

बुधवार को सत्य भवन के सामने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत ग्रीन कैंपस कैंपेन के अंतर्गत बीयू भोपाल एवं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्टेट बैंक के महाप्रबंध कुंदन ज्योति द्वारा विवि के कुलगुरु प्रोफेसर एसके जैन को ई रिक्शे सौंपे गए। इस अवसर पर विवि के कुल सचिव डॉ. अनिल शर्मा शर्मा समेत स्टेट बैंक के डीजीएम साईं कृष्णश्रीधर, बीयू के फाइनेंस कंट्रोलर सगीरा सिद्दीकी, विवि एसबीआई शाखा प्रबंधक पूजा गोयल उपस्थित थे। इस अवसर पर कुंदन ज्योति ने कहा कि विवि परिसर को हरा-भरा रखने में 15 साइकिल भी विवि देने की बात की गई। कुलगुरु प्रोफेसर सुरेश के जैन ने कहा कि हम परिसर को आईआईटी के तर्ज पर तैयार करना चाहते हैं। इसके अंतर्गत में परिसर में विभिन्न विभागों में कुछ साइकिल रखवाई जाएगी।

स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया ने बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय को 5 ई-रिक्शा भेंट किए

भोपाल। बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के सत्य भवन के सामने कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत ग्रीन कंपस कैम्पेन के अंतर्गत बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय एवं स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया द्वारा एक कार्यक्रम बुधवार 11 बजे आयोजित किया गया जिसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया द्वारा बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय को ग्रीन कंपस बनाए रखने के लिए पांच ई रिक्शा की चाबी स्टेट बैंक के महाप्रबंध कुंदन ज्योति द्वारा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर एसके जैन को सौंपी गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अनिल शर्मा शर्मा समेत स्टेट बैंक के डीजीएम श्री साई कृष्णश्रीधर, विश्वविद्यालय के फाइनेंस कंट्रोलर सगीरा सिद्दीकी विश्वविद्यालय स्टेट बैंक शाखा की शाखा प्रबंधक पूजा गोयल स्ल्ड्ढ्ढ्ढ्द्ध ढ्ढ्ढ्ढ्ध श्ढ्ढ ढ्ढ्ढस्ढ्ढ्ढ ढ्ढश्ढ्ढ्ढ्य ढ्ढ्ढ स्टेट बैंक के अधिकारी गण विश्वविद्यालय परिवार के समस्तशिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। संचालन विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू पवन मिश्रा द्वारा किया गया। स्वागत भाषण में कुलसचिव डॉ अनिल शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार ही परिसर को स्वच्छ एवं हरा भरा रखने के लिए प्रयासरत रहा है। स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के महाप्रबंधक कुंदन ज्योति ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर को हरा भरा रखने में 15 साइकिल भी स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया विश्वविद्यालय को प्रदान करेगी । कुलगुरु प्रोफेसर सुरेश के जैन ने कहा कि मैं विगत 1 वर्षों से इस प्रयास में लगा हुआ था कि विश्वविद्यालय को हरा भरा रखने में तथा पर्यावरण के संरक्षण हेतु ई-रिक्शा का प्रयोग हमारे परिसर में हो। आज जाकर मुझे इस कार्य में सफलता मिली है। इस अवसर पर उन्होंने बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के शाखा प्रबंधक पूजा गोयल की विशेष रूप से तारीफ की। कार्यक्रम के प्रारंभ में बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के कुलगुरु द्वारा स्टेट बैंक के महाप्रबंधक का सॉल एवं श्रीफल से स्वागत किया गया।

विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट्स डेवलप करने में हरसंभव मदद करेगा विश्वविद्यालय

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में इनक्युबेशन सेंटर, प्लेसमेंट सेल और बीयूआईटी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्रधानमंत्री उच्चत[र] शिक्षा अभियान (पीएम उषा) के अंतर्गत बूटकैंप का आयोजन कि[या] गया। कुलगुरु प्रो. एसके जैन ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए क[हा] कि विद्यार्थी अपने प्रोजेक्ट्स के प्रस्ताव तैयार करें, विश्वविद्यालय उ[न्हें] हरसंभव मदद करेगा। उन्होंने उद्योग जगत से आह्वान किया कि अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप उत्पादों के विचार विद्यार्थियों के स[ाथ] साझा करें। कुलगुरु ने उम्मीद जताई कि भविष्य में विद्यार्थियों के मॉड[ल] और ऐप्स सीधे बाजार में दिखाई दें। बूटकैंप में कार्यक्रम समन्वयक [...] आरके गर्ग ने इनोवेटिव आइडियाज और सेंटर की गतिविधियों [की] जानकारी दी। कार्यक्रम में वैज्ञानिक डॉ. एचएस भार्गव (एम्प्र[ी-] सीएसआईआर भोपाल), प्रो. नीरज गौर , प्रो. रागिनी गोथलवाल, वि[...] व्यास सहित कई शिक्षाविद् एवं शोधकर्ता उपस्थित रहे।

स्वदेश ज्योति

सेंड आन साईकिल राइड का आयोजन

स्वदेश ज्योति संवाददाता,भोपाल

बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी शारिरिक शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष में रविवार को सेंड आन साइकिल फिट इंडिया का शुभारंभ कुलगुरु प्रोफेसर सतीश कुमार जैन के नेतृत्व में साइकिल राइड का आयोजन विश्वविद्यालय कैंपस में आयोजित किया गया। इस साइकिल रैली में 200 प्रतिभागियों जिसमें छात्र, शिक्षक ,अधिकारी [...] होते हुए विश्वविद्यालय कैंपस मे जाकर सम्पन्न हुई। इस रैली का उद्देश्य आम नागरिकों में स्वास्थ्य, शारीरिक दक्षता, फिट इंडिया को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर प्रो. पवन मिश्रा ,प्रो. शशांक शेखर, डॉ.अच्छेलाल ,संचालक शारीरिक शिक्षा आलोक मिश्रा रविंद्र कौशिक , मुकेश शर्मा, दिलीप राठौर, प्राचार्य वीएस डॉ. विजेन्द्र भदौरिया, डॉ. दीपक सिंह,लेफ्टिनेंट सरिता कुशवाहा,डॉ. पूनम सिंह, डॉ. चंद्रभान

बीयू : एक दिवसीय बूटकैंप कार्यक्रम का आयोजन

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के इनक्युबेशन सेंटर, प्लेसमेंट सेल एवं बीयूआईटी विभाग के **कार्यक्रम** एक दिवसीय बूटकैंप कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार किया गया। बूटकैंप का उद्घाटन विवि कुलगुरु प्रो. एसके जैन ने किया। इस बूटकैंप में एम्प्री-सीएसआईआर के वैज्ञानिक डॉ. एचएस भार्गव, बीयू आईटी के डायरेक्टर प्रो. नीरज गौर आदि उपस्थित थे।

स्वदेश ज्योति

बीयू में आईटी रिसोर्स सेंटर, एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट और कन्या छात्रावास का किया **मुख्यमंत्री ने किया भूमिपूजन**

युवा नौकरी पाने वाले नहीं, रोजगार प्रदान करने वाले बनें : मुख्यमंत्री

- बरकतउल्ला विवि में आरंभ होंगे रोजगारपरक पाठ्यक्रम, मिलेगी बस सुविधा : डॉ. यादव
- पीएम-उषा परियोजना अंतर्गत होगा निर्माण

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

हमें गर्व है कि आज भारत किसी पर निर्भर नहीं है

भोपाल के सभी क्षेत्रों को विकास कार्यों की सौगात

उच्च शिक्षा के क्षेत्र की अभिनव पहल पूरे देश को देगी संदेश: परमार

विश्वविद्यालय परिवार सदैव आपके साथ खड़ा है

Bhopal Main-Edition Edition
Sep 4, 2025 Page No. 3
Powered by: erelego.com

[...]लगुरु संग निकली फिटनेस की साइकिल [...]ी, 200 प्रतिभागियों ने बढ़ाया उत्साह

[...]ाल. बीयू में शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित सेंड आन [...]किल-फिट इंडिया राइड का शुभारंभ कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार जैन ने [...] साइकिल चलाकर किया।विश्वविद्यालय कैंपस से शुरू हुई यह रैली [...]ंगाबाद रोड होते हुए पुनः कैंपस में आकर सम्पन्न हुई। करीब 200 [...]भागियों ने इसमें हिस्सा लिया। रैली का उद्देश्य नागरिकों में स्वास्थ्य [...]ारूकता, शारीरिक दक्षता और फिट इंडिया अभियान को प्रोत्साहित [...]ना रहा। प्रो. पवन मिश्रा, प्रो. शशांक शेखर, आलोक मिश्रा, रविंद्र [...]शिक समेत कई अधिकारियों ने फिटनेस रहने का संदेश दिया।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में प्रथम वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव का भव्य शुभारंभ

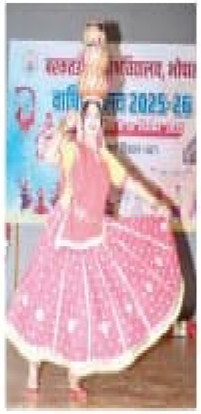

बीयू और एफई स्टूडियो के बीच एमओयू पर किए गए हस्ताक्षर

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने बुधवार को फ्यूचर्ड इन्नोवेशंस स्टूडियो के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर विवि की ओर से कुलगुरु प्रो. एस के जैन व फ्यूचर्ड इन्नोवेशंस स्टूडियो की ओर से डॉ. मनीष मल्होत्रा ने हस्ताक्षर किए। डॉ. मल्होत्रा ने कहा कि यह देशी व विदेशी विश्वविद्यालयो के बीच सेतु बनाने का कार्य करेगा, जिससे विद्यार्थियों में उद्यमी बनने की कला का विकास होगा। एमओयू के बाद फ्यूचर्ड इन्नोवेशंस विवि को तीन चरणों में सहयोग प्रदान करेगी। कुलगुरु जैन ने सभी शिक्षकों को इस अवसर का लाभ उठाने की समझाईश दी और कहा कि विद्यार्थी चुनौतियों से निपटने समसामयिक जानकारी से अपडेट होने व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से अपनी क्षमताओं का विकास करें। इस अवसर पर स्टूडियो की ओर से डॉ. अजय भूषण व डॉ. मुकेश शर्मा उपस्थित रहे। विवि की ओर प्रो. विवेक शर्मा, प्रो नीरज गौर, डॉ आर के गर्ग, प्रो अंशुजा तिवारी आदि मौजूद रहे। संचालन डॉ. रूपाली शेवलकर ने किया।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में प्रथम वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव का भव्य शुभारंभ

तीन दिन तक चलेगा उत्सव, नृत्य व गायन समेत होंगी कई प्रतियोतिगताएं

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय परिसर में विश्वविद्यालय के प्रथम वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में उत्साह, उमंग और सांस्कृतिक रंग बिखरे नजर आए। कार्यक्रम का आयोजन छात्र कल्याण विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कार्यपालन अधिकारी ईला तिवारी रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरेश कुमार जैन ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. पवन मिश्रा (डीन) एवं प्रो. अंशुजा तिवारी (सांस्कृतिक समन्वयक) मंचासीन रहीं। मुख्य अतिथि श्रीमती तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता

और सामाजिक चेतना का विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कुलपति प्रो. सुरेश कुमार जैन ने कहा कि विश्वविद्यालय का यह पहला वार्षिक उत्सव विद्यार्थियों की रचनात्मकता और प्रतिभा को मंच प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि संस्कृति से जुड़ाव व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होता है।

उत्सव में होंगी सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं

प्रो. पवन मिश्रा ने कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी देते हुए बताया कि यह विश्वविद्यालय का पहला वार्षिक उत्सव है, जिसमें 16 से 18 दिसंबर तक विभिन्न अंतर-विभागीय सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा रही हैं। पहले दिन नृत्य, गायन, मिमिक्री, पोस्टर मेकिंग, चित्रकला आदि प्रतियोगिताओं की शुरुआत हुई, जिनमें विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

संक्षिप्त खबरें

बीयू ने बताए तालाब को संरक्षित करने के उपाय

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय और चंद्रशेखर आजाद प्रधानमंत्री एक्सीलेंस सीहोर द्वारा ग्राम लसूडिया परिहार में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रामीण तालाब के संरक्षण तथा मछली पालन द्वारा आजीविका के विकास के लिए बीयू द्वारा तकनीकी ज्ञान प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित बीयू कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार जैन ने कहा कि बीयू अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए ग्राम लसूडिया परिहार को गोद लेकर यहां सामाजिक विकास की गतिविधियां आयोजित करेगा। तालाब के साथ साथ पेयजल की गुणवत्ता के लिए भी प्रयोगशाला स्थापित करेगा, ताकि पेयजल स्त्रोतों की जानकारी तत्काल उपलब्ध करायी जा सके। कुलगुरु जैन ने उपस्थित प्रोफेसरों को निर्देश दिए कि छात्रों को ग्रामीण जीवन से रूबरू करवाने के लिए उन्हें यहां रुक कर अध्ययन करने की व्यवस्था की जाए। कालेज प्राचार्य प्रो आरके शर्मा ने कहा कि नवीन शिक्षा नीति 2020 के अनुपालन में इस प्रकार की गतिविधियां छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान बढ़ाने में आवश्यक हैं। सरपंच राजेन्द्र राजपूत द्वारा पंचायत की ओर से समस्त सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि ग्राम के विकास के लिए शैक्षणिक संस्थानों द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। मत्स्य पालन विभाग के अधिकारी जगदीश तिलेटे द्वारा बताया गया कि इस तालाब में मत्स्य पालन की अपार संभावनाएं हैं। तकनीकी सहयोग दिया जाए तो यह आजीविका का साधन बन सकता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज सेवी, ग्रामीण, प्रोफेसर और विद्यार्थी मौजूद थे।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

रोबोटिक्स प्रतियोगिता में 25 टीम्स के विद्यार्थियों दिखाया भरपूर जोश

स्वदेश संवाददाता, भोपाल

बीयूआईटी में चल रहे तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर कार्यशाला इमर्जिंग टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन का दूसरा दिन एक अनूठे और रोमांचक खेल प्रतियोगिता के नाम रहा। रोबोट्स को दौड़ाने वाली इस रोबोटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ बीयू के कुलगुरु डॉ एस. के. जैन, मुख्य अतिथि हाई कोर्ट के जस्टिस वेद प्रकाश शर्मा, गेस्ट ऑफ ऑनर आदरणीय एडिशनल डीजीपी पवन श्रीवास्तव, बीयू के रजिस्ट्रार आई के मंसूरी द्वारा एवं बीयूआईटी के डायरेक्टर डॉ नीरज गौर एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति में किया गया। बीयूआईटी के डायरेक्टर डॉ नीरज गौर ने बताया कि रोबोटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु विद्यार्थी अत्यंत उत्साहित हैं। कोच्चि, वीआईटी वेल्लोर आदि के अतिरिक्त भोपाल के आईईएस, सिस्टेक आदि कॉलेजों की लगभग 25 टीम्स के 85 विद्यार्थियों ने आज पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

75वें संविधान दिवस: बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में हुई एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

75वें संविधान दिवस के अवसर पर बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका विषय - लिविंग कांस्टीट्यूशन : इवोल्विग विद टाइम था। कार्यशाला का आरंभ सरस्वती वंदना तथा दीप प्रज्वलन के साथ विवि के ज्ञान विज्ञान भवन में हुआ। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि न्यायाधीश वेद प्रकाश शर्मा, मुख्य अतिथि एडिशनल डीजीपी सीआईडी पवन श्रीवास्तव तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के कुलगुरु प्रो. एस. के. जैन ने की। संयोजन विधि विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. मोना पुरोहित ने किया। कार्यशाला का प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहा विधि शिक्षण एवं शोध विभाग के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किया गया सामाजिक समस्याओं को दर्शाता नुक्कड़ नाटक रहा। तदुपरांत अतिथियों का स्वागत किया गया। प्रो. मोना पुरोहित ने स्वागत वक्तव्य के साथ अतिथियों का परिचय प्रदान किया तथा संविधान के महत्व संविधान प्रदत्त अधिकारों, कर्तव्यों एवं विविध संवैधानिक परिवर्तनों से परिचित कराया।

निर्देश कुलगुरु द्वारा परीक्षा कक्षा के लाइट, पंखे और पीने के पानी की समुचित व्यवस्था के निर्देश

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में नेप के अंतर्गत शांतिपूर्ण ढंग से प्रारंभ हुई परीक्षाएं

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा शुक्रवार से प्रारंभ हुई नेप के अंतर्गत यूजी प्रथम द्वितीय और तृतीय वर्ष की परीक्षाएं शांतिपूर्ण ढंग से प्रारंभ हुई। विश्वविद्यालय द्वारा इसकी तैयारी वृहद रूप से की जा रही थी तथा समय से प्रश्न पत्र परीक्षा केंद्र पर कुलगुरु के निर्देशानुसार भेजे जा चुके हैं। इन वार्षिक परीक्षाओं के सफल एवं सुचारु संचालन हेतु बरकतउल्ला विश्वविद्यालय कुलगुरु प्रोफेसर एसके जैन द्वारा, विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों एवं परीक्षा एवं गोपनीय शाखा के अधिकारियों के संग विश्वविद्यालय से संबद्धतीन महाविद्यालय का आप औचक निरीक्षण कर जानकारी प्राप्त की गई। कुल गुरुद्वारा परीक्षाओं के सफल एवं सुचारु संचालन के लिए लगातार प्रयास किया जा रहे हैं तथा

उनके नेतृत्व में पूरी परीक्षाओं पर नजर रखी जा रही है। कुलगुरु द्वारा उक्त महाविद्यालयों में परीक्षा कक्ष में जाकर संचालित हो रही परीक्षा का निरीक्षण करने के साथ ही वहां ड्यूटी कर रहे वीक्षण कार्य कर रहे शिक्षकों से भीसे भी बात कर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उसके उपरांत कुल गुरुद्वारा सभी सभी परीक्षा केंद्र के कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया गया तथा वहां के स्टॉक रजिस्टर, उड़नदस्ता रजिस्टर, प्रश्न पत्र रखे जाने वाले स्थान एवं अलमारी का निरीक्षण कर परीक्षा केंद्र अध्यक्ष से आवश्यक जानकारी ली गई एवं उन्हें दिशा निर्देश दिए गए। कुलगुरु द्वारा परीक्षा कक्षा के लाइट, पंखे तथा गर्मी को ध्यान में रखते हुए पीने के पानी की समुचित व्यवस्था के हेतु परीक्षा केंद्र अध्यक्ष को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए। विदित हो की परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी कैमरे में हो रहे परीक्षा का भी निरीक्षण कुलगुरु एवं विश्वविद्यालय टीम द्वारा किया गया तथा इस पर संतोष व्यक्त किया गया। कुल गुरुद्वारा सभी केंद्र अध्यक्षों को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उनसे कभी भी मिलने के लिए भी अनुरोध किया गया जिससे की परीक्षा में किसी तरह की समस्या ना आए। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के 97 परीक्षा केंदो पर दो पारियों में परीक्षा आयोजित की जा रही है। विश्वविद्यालय के औचक निरीक्षण लगातार किया जाता रहेगा। गुरुद्वारा परीक्षा व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया गया।

कालेजों का फर्जीवाड़ा सुलझाने बीयू ने गठित किया न्यायाधिकरण

९26 पेज में दी प्रोफेशनल कोर्स की फैकल्टी

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने निजी कालेजों की शिकायतों को निराकृत करने लेकर एक न्यायाधिकरण गठित कर दिया है। इसमें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कालेज के प्रोफेसर डॉ. एसके मल्होत्रा को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अभी तक बीयू को एक दर्जन शिकायतें मिल चुकी हैं, जिनका निराकरण न्यायाधिकरण करेगा। न्यायाधिकरण शिकायकर्ता और कालेज का पक्ष सुनकर रिपोर्ट कुलगुरू को देगा। कालेज पर अंतिम कार्रवाई कुलगुरु करेंगे।

बीयू ने 8 जिलों के 130 कालेजों के 3200 प्रोफेसरों का फोटो युक्त डाटा वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। इससे कालेज संचालकों को ज्यादा परेशानी हो रही है। वे उसे वेबसाइट से हटाने के लिए पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। क्योंकि फैकल्टी का डाटा अपलोड होने से उनकी खामियां एक-एक कर अब सामने आने लगी है। इसक चलते उनके खिलाफ एक दर्जन शिकायतें बीयू में दर्ज हो चुकी हैं। तब बीयू ने मप्र विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 के परिनियम की धारा 38 के तहत एक न्यायाधिकरण गठित कर दिया है। इसमें कुलगुरु सुरेश कुमार जैन द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कालेज के प्रोफेसर डॉ. एसके मल्होत्रा को अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इसमें एक सदस्य शिकातकर्ता का प्रतिनिधि और एक सदस्य निजी कालेज का प्रतिनिधि होगा। न्यायाधिकरण दोनों पक्षों की दलीलें सुनकर एक रिपोर्ट तैयार करेगा। यह रिपोर्ट कुलगुरु प्रो सुरेश कुमार जैन के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। इसके बाद कुलगुरु जैन कालेज प्रबंधन के खिलाफ उचित कार्रवाई करेंगे।

क्यों गठित हुआ न्यायाधिकरण

बीयू ने लॉ, मैनेजमेंट, एजुकेशन और फिजिकल एजुकेशन कोर्स का संचालन करने वाले 130 कालेजों में कोड 28 के तहत फैकल्टी को नियुक्त किया है। कालेज कुछ समय बाद उन्हें हटा देते हैं और उनके नाम का उपयोग करते रहते हैं। वहीं दूसरी तरफ प्रोफेसर दूसरे कालेज में कोड 28 में नियुक्त हो जाता है। इससे एक प्रोफेसर का नाम दो-दो स्थान पर चढा रहता है। वहीं कुछ प्रोफेसर बेरोजगार होने के बाद भी कालेजों में कोड 28 के तहत नियुक्त हैं। ऐसे प्रोफेसर अपनी शिकायतें बीयू में कर सकते हैं। उक्त शिकायतों को निराकृत करने के लिए न्यायाधिकरण को बनाया गया है।

वेतन दिलाएगा न्यायाधिकरण

कालेज प्रोफेसरों को नियुक्त करने के बाद उन्हें दो-दो, तीन-तीन माह वेतन तक नहीं देते हैं। प्रोफेसर मजबूरी में नौकरी छोड़कर दूसरे कालेज में चले जाते हैं। ऐसे प्रोफेसर भी अपनी शिकायत बीयू से कर सकते हैं। बीयू द्वारा गठित न्यायाधिकरण ऐसे प्रोफेसरों की पूरी सैलरी कालेजों से दिलाएगा।

ई-मेल पर भेज सकते हैं शिकायत

एआईसीटीई, एनसीटीई और बीसीआई से मान्यता लेने वाले 130 कालेजों में नियुक्त 3200 प्रोफेसरों का फोटो युक्त डाटा वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। इसमें प्रोफेसर अपना नाम और पद देख सकते हैं। उन्हें यहां कोई गड़बडी मिलती है, तो वे इसकी शिकायत बीयू में दर्ज करा सकते हैं। गोपनीयता रखने के लिए प्रोफेसर बीयू रजिस्ट्रार को ई-मेल आईडी पर मेल भी कर सकते हैं। बीयू अधिकारियों का कहना है कि फैकल्टी में फर्जीवाड़ा करने वाले प्रोफेसर की शिकायत कोई भी कर सकता है। इसकी गोपनीयता रखी जाएगी, लेकिन शिकायत तर्क संगत होनी चाहिए। आभी तक साक्ष्यों के साथ एक दर्जन शिकायतें बीयू को मिल चुकी हैं।

९26 पेज में तैयार हुआ डाटा

बीयू की सीमाएं आठ जिलों में लगती हैं। यहां 130 प्रोफेशनल कालेजों का 3200 प्रोफेसरों का फोटो युक्त डाटा तैयार किया है। इसमें विधि कालेजों का डाटा 39 पेज, एमबीए कालेजों का डाटा 377 पेज और एजुकेशन और फिजिकल एजुकेशन का डाटा 510 पेजों में तैयार हुआ है। बीयू ने 926 पेज को पूरा डाटा अपनी वेबसाइट पर कालेज वार अपलोड कर दिया है।

बीयू के डिजिटल डिग्री वेरिफिकेशन पोर्टल का शुभारंभ

भोपाल। डिजिटल डिग्री वेरिफिकेशन पोर्टल उच्च शिक्षा की बेहतरी की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। रोजगार और प्लेसमेंट आदि जरूरी प्रक्रियाएं सुरक्षित रूप में सरलता और शीघ्रता से हो सकेगी। यह बात राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने राजभवन में गुरुवार को बरकतउल्ला विवि के डिजिटल डिग्री वेरिफिकेशन पोर्टल का वन क्लिक से शुभारंभ करते हुए कही। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विशेष नवाचार सराहनीय है। इस दौरान उन्होंने स्वयं रेंडम परीक्षण किया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, विश्वविद्यालय के

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार

Date 21 Nov, 2025 - Newspaper - Page5

Image Text

बीयू के डिजिटल डिग्री वेरिफिकेशन पोर्टल का शुभारंभ

भोपाल। डिजिटल डिग्री वेरिफिकेशन पोर्टल उच्च शिक्षा की बेहतरी की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। रोजगार और प्लेसमेंट आदि जरूरी प्रक्रियाएं सुरक्षित रूप में सरलता और शीघ्रता से हो सकेगी। यह बात राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने राजभवन में गुरुवार को

मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग पर किए हस्ताक्षर, होंगे शोध

नोबल एक्सप्रेस ⏭ भोपाल

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल एवं ग्लोबल बायोटेक लिमिटेड हॉन्ग कोंग के मध्य गुरूवार को मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए गए यह अपने तरह का पहला अंतरराष्ट्रीय अकादमी इंडस्ट्री एम ओ यू है। globex Biotech Hong Kong एक Algal biotechnology पर आधारित अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक कंपनी है जिसका उद्देश्य बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के विभिन्न टीचिंग पाठ्यक्रमों शोध और नवाचार कम रिसर्च बेस्ड इनोवेशन टेक्नोलॉजी ट्रांसफर इनक्यूबेशन और एंटरप्रेन्योरशिप एवं अकादमी एक्सचेंज के अंतर्गत ग्लोब्स Hong Kong के साथ सामंजस्य स्थापित कर कार्य करना है। 5 वर्षों के लिए किया गया है जिसमें मटेरियल ट्रांसफर एग्रीमेंट bio prospecting law rules or regulation के अंतर्गत कार्य संपादित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय एवं ग्लोबल हॉन्ग कोंग के बीच विभिन्न संकायों के शिक्षक अपने एकेडमिक एवं शोध कार्यों का कार्यों को एक्सचेंज के माध्यम से संपादित कर सकेंगे यहां के शोध छात्र हांगकांग में रहकर बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कार्य कर पाएंगे जिससे हमारे देश को प्रदेश को बहुआयामी प्रगति एवं नवाचार में सहयोग प्राप्त होगा। इस हेतु हमारे कुलगुरु माननीय प्रोफेसर सुरेश कुमार जैन एवं ग्लोबैक्स बायोटेक हांगकांग के संयोजक डॉ संजय नगरकर एवं श्री सुमित अग्रवाल भोपाल का सहयोग प्रशंसनीय है। कुलगुरु जी ने आशा व्यक्त की है कि भविष्य में इनके सहयोग से अकादमी इंडस्ट्री मीट एवं ट्री पार्टी जिसमें छात्र अकादमी संस्थान एवं औद्योगिक क्षेत्र के प्रतिनिधि भागीदारी करेंगे का आयोजन निकट भविष्य में प्रस्तावित है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग की प्रोफेसर रागिनी गोथलवाल एवं एम ओ यू संयोजक डॉक्टर रूपाली शैविलकर ने अपना सहयोग प्रदान किया।

कालेजों का फर्जीवाड़ा सुलझाने बीयू ने गठित किया न्यायाधिकरण

926 पेज में दी प्रोफेशनल कोर्स की फैकल्टी

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने निजी कालेजों की शिकायतों को निराकृत करने लेकर एक न्यायाधिकरण गठित कर दिया है। इसमें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कालेज के प्रोफेसर डॉ. एसके मल्होत्रा को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अभी तक बीयू को एक दर्जन शिकायतें मिल चुकी हैं, जिनका निराकरण न्यायाधिकरण करेगा। न्यायाधिकरण शिकायकर्ता और कालेज का पक्ष सुनकर रिपोर्ट कुलगुरू को देगा। कालेज पर अंतिम कार्रवाई कुलगुरु करेंगे।

बीयू ने 8 जिलों के 130 कालेजों के 3200 प्रोफेसरों का फोटो युक्त डाटा वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। इससे कालेज संचालकों को ज्यादा परेशानी हो रही है। वे उसे वेबसाइट से हटाने के लिए पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। क्योंकि फैकल्टी का डाटा अपलोड होने से उनकी खामियां एक-एक कर अब सामने आने लगी है। इसक चलते उनके खिलाफ एक दर्जन शिकायतें बीयू में दर्ज हो चुकी हैं। तब बीयू ने मप्र विश्वविद्यालय अधिनियाम 1973 के परिनियम की धारा 38 के तहत एक न्यायाधिकरण गठित कर दिया है। इसमें कुलगुरु सुरेश कुमार जैन द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कालेज के प्रोफेसर डॉ. एसके मल्होत्रा को अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इसमें एक सदस्य शिकातकर्ता का प्रतिनिधि और एक सदस्य निजी कालेज का प्रतिनिधि होगा। न्यायाधिकरण दोनों पक्षों की दलीलें सुनकर एक रिपोर्ट तैयार करेगा। यह रिपोर्ट कुलगुरु प्रो सुरेश कुमार जैन के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। इसके बाद कुलगुरु जैन कालेज प्रबंधन के खिलाफ उचित कार्रवाई करेंगे।

क्यों गठित हुआ न्यायाधिकरण

बीयू ने लॉ, मैनेजमेंट, एजुकेशन और फिजिकल एजुकेशन कोर्स का संचालन करने वाले 130 कालेजों में कोड 28 के तहत फैकल्टी को नियुक्त किया है। कालेज कुछ समय बाद उन्हें हटा देते हैं और उनके नाम का उपयोग करते रहते हैं। वहीं दूसरी तरफ प्रोफेसर दूसरे कालेज में कोड 28 में नियुक्त हो जाता है। इससे एक प्रोफेसर का नाम दो-दो स्थान पर चढा रहता है। वहीं कुछ प्रोफेसर बेरोजगार होने के बाद भी कालेजों में कोड 28 के तहत नियुक्त हैं। ऐसे प्रोफेसर अपनी शिकायतें बीयू में कर सकते हैं। उक्त शिकायतों को निराकृत करने के लिए न्यायाधिकरण को बनाया गया है।

वेतन दिलाएगा न्यायाधिकरण

कालेज प्रोफेसरों को नियुक्त करने के बाद उन्हें दो-दो, तीन-तीन माह वेतन तक नहीं देते हैं। प्रोफेसर मजबूरी में नौकरी छोड़कर दूसरे कालेज में चले जाते हैं। ऐसे प्रोफेसर भी अपनी शिकायत बीयू से कर सकते हैं। बीयू द्वारा गठित न्यायाधिकरण ऐसे प्रोफेसरों की पूरी सैलरी कालेजों से दिलाएगा।

ई-मेल पर भेज सकते हैं शिकायत

एआईसीटीई, एनसीटीई और बीसीआई से मान्यता लेने वाले 130 कालेजों में नियुक्त 3200 प्रोफेसरों का फोटो युक्त डाटा वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। इसमें प्रोफेसर अपना नाम और पद देख सकते हैं। उन्हें यहां कोई गड़बडी मिलती है, तो वे इसकी शिकायत बीयू में दर्ज करा सकते हैं। गोपनीयता रखने के लिए प्रोफेसर बीयू रजिस्ट्रार को ई-मेल आईडी पर मेल भी कर सकते हैं। बीयू अधिकारियों का कहना है कि फैकल्टी में फर्जीवाड़ा करने वाले प्रोफेसर की शिकायत कोई भी कर सकता है। इसकी गोपनीयता रखी जाएगी, लेकिन शिकायत तर्क संगत होनी चाहिए। आभी तक साक्ष्यों के साथ एक दर्जन शिकायतें बीयू को मिल चुकी हैं।

926 पेज में तैयार हुआ डाटा

बीयू की सीमाएं आठ जिलों में लगती हैं। यहां 130 प्रोफेशनल कालेजों का 3200 प्रोफेसरों का फोटो युक्त डाटा तैयार किया है। इसमें विधि कालेजों का डाटा 39 पेज, एमबीए कालेजों का डाटा 377 पेज और एजुकेशन और फिजिकल एजुकेशन का डाटा 510 पेजों में तैयार हुआ है। बीयू ने 926 पेज को पूरा डाटा अपनी वेबसाइट पर कालेज वार अपलोड कर दिया है।

स्वदेश ज्योति

कुलगुरू ने की विद्यार्थियों–शिक्षकों से नित नए शोध करने एवं प्रयोग को बढ़ावा देने की अपील

...तंत्र दिवस के अवसर पर ...कतउल्ला विश्वविद्यालय परिसर के सत्य भवन के प्रांगण में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो . सुरेश कुमार जैन द्वारा ध्वजारोहण किया गया । इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉक्टर आई .के मंसूरी एवं बीयू के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों के अलावा विश्वविद्यालय के समस्त विभागों के शिक्षक अधिकारी कर्मचारी, क्षेत्र के नागरिकों, प्रबुद्ध जनों समेत लगभग 1200 लोग उपस्थित रहे । कार्यक्रम में कुलगुरु प्रा . एसके जैन द्वारा मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण उपरांत ध्वजारोहण का कार्य 8 :30 बजे संपन्न किया गया । उक्त अवसर पर कुलगुरु द्वारा अपने उद्बोधन में उपस्थित सभी को संबोधित करते हुए कहा गया की आप इस प्रदेश के राजधानी में अवस्थित इस प्रमुख विश्वविद्यालय के अंग है । प्रदेश की राजधानी में अवस्थित होने के कारण हमें विश्वविद्यालय को एक आदर्श के रूप में स्थापित करने होंगे । हम सभी को विश्वविद्यालय के उत्थान तथा सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के माध्यम से सामाजिक नवनिर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनी होगी । हम सभी को विश्वविद्यालय के अंग के रूप में यदि कोई छात्र है तो एक छात्र के रूप में, शिक्षक को शिक्षक के रूप में तथा अधिकारी और कर्मचारियों को एक आवश्यक अंग के रूप में अपने एक उद्देश्य तय कर आगे बढ़ना होगा । उन्होंने विद्यार्थियों को तथा शिक्षकों को नित नए शोध करने एवं प्रयोग को बढ़ावा देने की अपील की । उन्होंने उपस्थित छात्रों को कहा कि आप विश्वविद्यालय परिसर में अवस्थित एक्यूवे एशन सेंटर में जाएं और वहां हो रहे रिकल के कार्यों को देखें तथा अपना योगदान दें ।

Bhopal Main-Edition Edition
Jan 28, 2025 Page No. 4
Powered by: erelego.com

की सराहना की. | चुनाव में विजयी घोषित किए गए. | पचम ने 1935 में रायल चार्टर प्रदान किया. | का पीछा करते हुए ओरिएंटल की टीम ने 18.5 ओवर में 6 विकेट | सदस्य दुर्गा मालाकार ने गोल्ड मेडल हासिल किया है.

कार्यशाला — बरकतउल्ला विवि में 'नारी शक्ति' एवं 'हिंसा के खिलाफ नुक्कड़ नाटक का मंचन

स्वस्थ समाज के लिए लैंगिक समानता पर चर्चा जरूरी : प्रो . जैन

भोपाल, 20 नवंबर. एक स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु समाज में हर क्षेत्र में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने एवं युवाओं में लैंगिक संवेदीकरण की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन विभाग द्वारा बुधवार को लैंगिक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन पीएम उषा गतिविधियों के अंतर्गत किया गया. कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में लैंगिक मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता, सम्मान, समानता एवं समावेशी संस्कृति को बढ़ावा देना था.

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एस के जैन ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में लैंगिक समानता समाहित है. एक स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु युवाओं के साथ लैंगिक संवेदीकरण विषय पर चर्चा बहुत आवश्यक है. महिला अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. रुचि घोष दस्तीदार ने कि कार्यशाला का उद्देश्य लैंगिक दृष्टि से हमारी प्रतिबद्धताओं पर पुनर्विचार कर लैंगिक रूढ़िवादिता एवं पूर्वाग्रहों को तोड़कर लैंगिक संवेदीकरण एवम समावेशी वातावरण की दिशा में आगे बढ़ना है. इस अवसर पर पी एम उषा गतिविधियों के नोडल अफसर एवं डिपार्टमेंट ऑफ़ एप्लाइड एक्वाकल्चर के विभागाध्यक्ष प्रो. विपिन व्यास ने पीएम उषा के अंतर्गत संचालित गतिविधियों में लैंगिक संवेदीकरण से सम्बंधित गतिविधियों पर प्रकाश डाला.

फ्यूचर्ड इनोवेशन स्टूडियो के साथ एमओयू

बीयू में छात्रों को मिलेगा ग्लोबल एक्सपोजर, उद्यमिता का नया मंच

भोपाल, लोकदेश रिपोर्ट

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने बुधवार को फ्यूचर्ड इनोवेशन स्टूडियो के साथ महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय की ओर से कुलगुरु प्रोफेसर एस.के. जैन और फ्यूचर्ड इनोवेशन स्टूडियो की ओर से डॉ. मनीष मालवीया ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू के बाद छात्रों को देशी-विदेशी के साथ विदेशी संस्थानों में काम करने और पढ़ाई करने की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्हें ग्लोबल जॉब प्राप्त करने में भी सहूलियत होगी। देशी और विदेशी विश्वविद्यालयों के बीच सेतु

डॉ. मालवीया ने एमओयू की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह समझौता देशी और विदेशी विश्वविद्यालयों के बीच सेतु का कार्य करेगा। इससे विद्यार्थियों में उद्यमिता कौशल, नवाचार क्षमता और वैश्विक चुनौतियों से निपटने की योग्यता विकसित होगी। उन्होंने कहा कि देश में कई महत्वपूर्ण शोध कार्य और पेटेंट मौजूद हैं, लेकिन उनका औद्योगिक उपयोग सीमित है। यह MOU शोध और पेटेंट को उद्योगों से निवेशकों और बाजार तक पहुंचाने में मदद करेगा।

तीन चरणों में होगा सहयोग

1. पेटेंट और शोध के औद्योगिक मूल्य, व्यावसायिक उपयोगिता और मार्केट पोटेंशियल का आकलन।
2. छात्रों में नौकरी का इकोसिस्टम में सुधार और व्यावसायिक उद्योग की दिशा में काम।
3. छात्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर सहित स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम, ग्लोबल इंटर्नशिप और विदेशी विश्वविद्यालयों में अध्ययन के अवसर।

शिक्षकों और छात्रों से अधिकतम लाभ उठाने की अपील

कुलगुरु प्रोफेसर सुरेश कुमार जैन ने शिक्षकों और छात्रों से इस समझौते का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने छात्रों को वैश्विक चुनौतियों से अपडेट रहने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से अपनी मौजूदा क्षमता को आगे बढ़ाने की सलाह दी। कुलगुरु ने कहा कि यह एमओयू विश्वविद्यालय को वैश्विक बाजार, अंतरराष्ट्रीय मार्केट मॉडल, एकेडमिक एक्सीलेंस फ्रेमवर्क और बेस्ट प्रैक्टिसेस से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएगा।

भारत कभी असहिष्णु नहीं रहा सहिष्णुता हमारे मूल स्वभाव में है

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा के अन्तर्गत अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस पर लघु वीडियो प्रदर्शन एवं विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ मुकेश मिश्रा दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान के निर्देशक रहे और संरक्षक के रूप में कुलगुरू प्रो. सुरेश कुमार जैन उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता मिश्रा ने बताया कि सहिष्णुता भारतीयों के कण कण में पुरातन काल से ही समाहित रही है और सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया की भावनाओं पर आधारित रही है। भारत कभी असहिष्णु नहीं रहा सहिष्णुता हमारे मूल स्वभाव में है। कुलगुरु जैन ने बताया कि सहिष्णुता का अर्थ है सहनशीलता अर्थात प्रतिकूल परिस्थिति में भी सहिष्णु होना जब परिस्थिति हमारे अनुकूल न हो। इसके बाद प्राचीन भारत सहिष्णुता की प्रतिमूर्ति विषय पर आयोजित स्पीच प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता में सम्मिलित प्रतिभागियों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम की आयोजिका प्रो. रुचि घोष दस्तीदार (भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ) ने उपस्थित सभी बरकतउल्ला परिवार एवं छात्रों को अंतराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस की बधाई देते हुए आभार प्रदर्शित किया तथा कार्यक्रम का संचालन प्रभारी राहुल सिंह परिहार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कई विभागों के प्रोफेसर मौजूद थे।

ब्रीफ न्यूज

बरकतउल्ला विवि ने देश के तीन विश्वविद्यालयों संग किया एमओयू

भोपाल। उच्च शिक्षा में नवाचार और शोध को गति देने के उद्देश्य से बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने महत्वपूर्ण पहल की है। भारत सरकार की पीएम उषा परियोजना के अंतर्गत बीयू में सोमवार को मैसूर विवि, सम्राट विक्रमादित्य विवि (उज्जैन) और डिब्रूगढ़ विवि (असम) के साथ द्विपक्षीय और त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह पहल उस योजना का हिस्सा है जिसके तहत देश के 35 चयनित विश्वविद्यालयों को 100-100 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी जा रही है। जिससे शैक्षणिक संस्थान शोध, इनोवेशन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकें। इस अवसर पर बीयू के कुलगुरु प्रो. एस.के जैन और कुलसचिव डॉ. अनिल शर्मा ने विवि की ओर से एमओयू पर हस्ताक्षर किए। प्रो. एस.के जैन ने कहा कि इन समझौतों के तहत विश्वविद्यालय में संयुक्त सेमिनार, रिसर्च प्रोजेक्ट और इनोवेशन आधारित गतिविधियां शुरू की जाएंगी, जो देश और प्रदेश दोनों के लिए एक उदाहरण बनेंगी।

इंदरचंद पुलिवजय प्रकाशन
राष्ट्रीय हिन्दी मेल
ना दबाव, ना भेदभाव
इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और रायपुर से एक साथ प्रकाशित
दिनांक- 24/10/2024 पृष्ठ क्रमांक- 3 संस्करण- भोपाल प्रधान संपादक- विजय कुमार दास

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय और विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा

एनईपी 2020 लीगल कॅरिकुल विषय पर दो दिन की वर्कशॉप का हुआ शुभारंभ

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय और विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा बुधवार को भोपाल के पीएसएस सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन में एनईपी 2020 लीगल कॅरिकुल विषय पर दो दिन की वर्कशॉप का शुभारंभ हुआ। इस दौरान विधि शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप बदलाव करने पर चर्चा हुई। भारतीय ज्ञान परंपरा पर फोकस किया गया। वर्कशॉप में सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस एवं नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमिक के डायरेक्टर अनिरुद्ध बोस, उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने विधि शिक्षा पर अपने मत रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरू प्रो. एसके जैन ने की। कार्यक्रम समन्वय विद्या भारतीय के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. शशि रंजन अकेला और बीयू के लॉ डिपार्टमेंट की एचओडी डॉ. मोना पुरोहित ने किया। इस दौरान रजिस्ट्रार आईके मंसूरी सहित देशभर से आए विधि क्षेत्र के एक्सपर्ट और बड़ी संख्या में शिक्षक और छात्र मौजूद रहे। जस्टिस बोस ने विधि शिक्षा में मातृ भाषा, आईसीटी पर फोकस करना होगा। उन्होंने कहा कि लॉ स्टूडेंस के लिए चार प्रमुख कॅरियर ऑप्शन हैं। जिनमें एडवोकेट बनते हैं, जज बनते हैं, ऑफिस लॉयर्स जो लॉ फर्म में सेवाएं देते हैं और लॉ टीचिंग। लेकिन अधिकतर संस्थानों में शिक्षकों की कमी है। साथ ही उन्होंने सामाजिक बदलाव पर प्रकाश डालते हुए कि लोगों में लोन लेने की जो आदत है वो आपको अपने स्वामित्व से वंचित कर रही है। विधि शिक्षा में ऐसे क्या चैलेंज हैं जिन्हें हमे सिलेबस में शामिल करना है। स्टूडेंट्स को सोशल सिक्यॉरिटी की शिक्षा देनी है। इस दौरान विद्या भारतीय उच्च शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि देश में भारतीय शिक्षा शिशु शिक्षा से लेकर उच्च अध्ययन तक पेराडइम शिफ्ट की ओर जा रही है। जुलाई 2020 में जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति घोषित हुई उस पर पांच से छह वर्ष तक काम हुए। एनईपी के आलोक में यूजीसी द्वारा कॅरिकुलम रिवीजन की प्रक्रिया लगातार की जा रही है। उच्च शिक्षा के बहुत सारे विषय हैं। विद्यार्थी ने 22 प्रमुख विषय चुने है, जिनमें विमर्श कर यथायोग्य बदलाव करना तय किया। इस पर विभिन्न कार्यशालाएं हुई। अभी देशभर में जब भी चर्चा होती है छात्र-शिक्षक,कुलपति आदि सभी यही कहते हैं कि पाठ्य सामग्री को अद्यतन करते रहना चाहिए। उसमें निरंतर बदलाव होते रहना चाहिए। यह प्रक्रिया भी पहली बार हो रही है, ऐसा नहीं है। 1986 के आसपास यूजीसी द्वारा मॉडल करिकुल जारी किया गया। उसमें कहा किया 70-80 प्रतिशत इसको आधार बना सकते हैं। शेष अपनी स्थानीय

आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर टॉपिक्स डाल सकते हैं लेकिन अधिकांश विश्वविद्यालयों ने कटपेस्ट ही किया। इसलिए इस पर गंभीर प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में आए विषय भारतीय शिक्षा के लिए जरूरी हैं,भारतीय समाज को उन्नति की ओर ले जाने के लिए जरूरी हैं और भारत के प्रधानमंत्री इन दिनों को उल्लेखित कर रहे हैं भारत जब अपनी स्वतंत्र के 100वर्ष पूरे करे तो भारत दुनिया का सिरमौर देश बनकर खड़ा होगा। भारत अपनी प्राचीन प्रतिष्ठता को फिर प्राप्त करेगा। इसके लिए प्रयास आज की पीढ़ी को करना पड़ेगा। इस पीढ़ी को तैयार करने का प्रयास शिक्षकों के माध्यम से हमारा कैंपस करेगा। इसके लिए सबसे जरूरी है कि हमारे पास वैसे कॅरिकुलम हो, वैसे सिलेबस हों। इस एनईपी जो विषय हैं उनमें बहुत सारी बाते हैं। इनमें प्रमुख बात हैं कि ज्यादातर संस्थान मल्टीडिसिप्लिनरी होंगे। इससे ही युवक युवती का समग्र विकास हो सकता है। इसके अलावा एनईपी एक और बात प्रमुख है कि हम भारतीय शिक्षा में कैसे भारतीय की ज्ञान परंपरा को कैसे शामिल करें। विधि विषय के अंदर भारत पहली बार ये सीखेगा क्या कि न्यायालय कैसे चलने चाहिए। विधि व्यवस्था कैसी होनी चाहिए। कभी शुक्र की नीति, कभी वृहस्पति की नीति को हमने या बालक-बालिकाओं ने जानने की कोशिश की है। हम सामान्यत: सच बोल देते हैं तो लोग हिकारत की दृष्टि से देखकर बोलते हैं राजा हरीशचंद्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि आज सामान्य व्यक्ति न्यायालय जाता है उसे पता ही नहीं चलता कि जज और वकील के बीच में क्या बहस हो रही है, किस भाषा में बहस हो रही है। जो न्याय मांगने आया उसे कुछ पता ही नहीं चलता। सत्र न्यायालय में तो रीजनल लैंग्वेज आ जाती है। अधिकांश उच्च न्यायालयों में कार्यवाही अंग्रेजी में ही होती है। उसकी शब्दवाली कठिन होती है। जब आदेश आ जाएगा तो वकील बता देगा कि ये आपके खिलाफ आया। व्यक्ति सोचता है कि 10 साल तक केस चला और मैं सुनता रहा और आज पता चला कि आदेश मेरे खिलाफ आया है। मैं तो समझ ही नहीं पाया कि क्या व्यवस्था है। जबकि व्यवस्थाएं आम व्यक्तियों के लिए ही हैं। उनके अनुकूल हम कैसे बदलाव ला सकते हैं, इस पर काम करने की जरूरत है। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि कठिन परिश्रम के बाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तैयार हुई। जिसमें भारतीय ज्ञान परंपरा महत्वपूर्ण विषय है। इसलिए आज हम इस पर गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। जितने विषय हैं उनकी अभी तक पढ़ाई होती रही है लेकिन उनकी दिशा क्या रही है, इसे देखते हैं तो यह पता चलता है कि उसमें भारतीयता का बोध नहीं है। जब हम स्वतंत्र हुए तो स्वतंत्रता के बाद ही बड़े बदलाव होनी चाहिए थे। क्या भारत का शिक्षा के क्षेत्र में कोई योगदान नहीं था। बहुत लंबे समय कई भ्रांतियां फैलाई गई। न्याय के क्षेत्र में हर जगह भारतीय दृष्टिकोण को आगे करना था। लेकिन बहुत कम हुआ। जिसके बहुत परिणाम हमने भोगे हैं। एक समय तो ऐसा आया कि लोग अपने देश के बारे में हीन भावना से देखने लगे। इसलिए भारतीय ज्ञान परंपरा पर गंभीरता से बात हो रही है। उन्होंने गणित का उदाहरण देते हुए कहा कि क्या गणित में भारत का योगदान नहीं है। यदि है तो उसे पढ़ाया क्यों नहीं जाना चाहिए? 1 से 9 तक की अंक प्रणाली किसकी देन है। मैने एक व्यक्ति से कहा कि 20 लाख रोमन अंक में खिलकर बताईए पर वो नहीं लिख सके, फिर कहा कि भारतीय अंक में लिखों तो उसने तुरंत लिख दिया। भारतीय समाज में आज भी पेड़-पौधे में पत्ते नहीं तोड़ते, कहते हैं कि ये सो गए हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हमारा देश दुनिया की समस्या का समाधान करने वाला होगा। हम विश्वगुरू होंगे। कुलगुरु प्रो. एसके जैन ने कहा कि दो दिनों तक चलने वाली इस कार्यशाला से जो भी अमृत निकलेगा उसे यूजीसी, बार काउंसिल ऑफ इंडिया को भेजा जाएगा। ताकि भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुसार विधि के पाठ्यक्रमों जो बदलाव होने चाहिए वो जल्द से जल्द हों। इसे हम मध्यप्रदेश सरकार को भी देंगे जिससे यह यहां के शैक्षणिक संस्थानों में लागू किया जा सके। अंत में रजिस्ट्रार आईके मंसूरी ने आभार जताया।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय और विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा वर्कशॉप आयोजित, भारतीय शिक्षा में भारतीय ज्ञान की परंपरा

भोपाल | नित्य नमन टाइम्स

भोपाल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप विधिक शिक्षा का करिकुलम तैयार करने बरकतउल्ला विश्वविद्यालय और विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा वर्कशॉप आयोजित की गई। इसमें 14 तकनीकी सत्र हुए। में देशभर से 56 सब्जेक्ट एक्सपर्ट, 258 डेलीगेस्ट और 70 संस्थान शामिल हुए। इसके समापन अवसर पर गुरुवार मध्यप्रदेश के उपलोकायुक्त जस्टिस एसके पॉलो, सुप्रीम कोर्ट के एडमिशन एडवोकेट जनरल मप्र एडवोकेट जयदीप राय, कुलगुरु प्रो. एसके जैन, विद्या भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व कार्यशाला के डॉ. शशिरंजन अकेला, विधि विभाग की एचओडी डॉ. मोना पुरोहित आदि मौजूद रहे। इस कार्यशाला के प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिए गए।

विद्या भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. शशिरंजन अकेला ने कहा कि भारत में शिक्षा को लेकर कंपार्टमेंटलाइजेशन की बात नहीं थी। औपनिवेशिक काल में विषयों के आधार पर शिक्षा देने का भेद शुरू हुआ।

इसे स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा में बांट गया। जबकि भारत की ज्ञान परंपरा में हम 64 कलाओं और 14 विद्याओं की शिक्षा के माध्यम से समग्र व्यक्ति विकास और जीवन के मूल्यों की शिक्षा देते थे। एनईपी में जिन बातों पर फोकस किया जा रहा है वो भारत की शिक्षा का स्वभाविक अंग थे। उन्होंने कहा कि हम तकनीकी से दूर नहीं होना चाहते। हम युगानुकूल परिवर्तन की बात करते हैं। हम एआई, आईओटी जैसी टेक्नोलॉजी के साथ काम कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि तकनीकी व्यक्ति पर हावी नहीं हो।

उन्होंने कहा कि अब भारतीय शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा को शामिल करने की आवश्यकता है। इसलिए एनईपी में इस बात का ध्यान रखा गया कि शिक्षा ऐसी हो जो हमको संस्कृति से जोड़े रखे और जिसकी प्रतिबद्धता समाज की प्रगति में हो। अभी कानून के छात्र जो पढ़ रहे हैं उसमें अमेरिका और यूरोप को पढ़ रहे हैं। उन्होंने कुलगुरु के सामने प्रस्ताव रखा कि जस्टिस रामा जोइस द्वारा भारत के न्यायशास्त्र पर लिखे ग्रंथों को विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों की लाइब्रेरी में रखवाए जाना चाहिए। प्रतिभाशाली गरीब वर्ग के छात्र जो इन ग्रंथों को खरीद नहीं सकते उनको निशुल्क किताबें छात्रों तक पहुंचाई जाए। साथ ही कार्यशाला सिर्फ चर्चा तक सीमित नहीं रह जाए विधि विभाग को व्याख्यान आयोजित किए जाने चाहिए।

डॉ. अकेला ने कहा कि वर्तमान में लागू विधि के पाठ्यक्रम कैसा होना चाहिए, इस दौरान चर्चा हुई। छात्र-छात्राओं ने कहा कि ऐसा पहली बार हो रहा है जब पाठ्यक्रम निर्माण में उनकी भूमिका को ध्यान रखा है। पहली बार पता चला कि छात्रों भी इसमें सहभागिता कर सकते हैं।

डॉ. अकेला ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने जिस मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशन और एग्जिट-एंट्री और एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, हॉलिस्टिक एजुकेशन की बात कही है। उसे भी विधि शिक्षा में शामिल किया जाए। इन सभी विषयों पर 14 तकनीकी सत्रों पर बात हुई। उन्होंने कहा कि हम देश के सब्जेक्ट एक्सपर्ट को एक प्लेटफार्म पर लाकर चर्चा करते हैं कि भारत के विचार, भारत का दर्शन, भारत के गौरव की शिक्षा में आना चाहिए। जिससे कैंपस से जब विद्यार्थी निकलेगा तो उसे गर्व होना चाहिए। इसलिए हमने कोशिश की विधि शिक्षा के देशभर के विद्वानों को एक प्लेटफार्म पर लेकर आए।

एडवोकेट जयदीप राय ने कहा कि इंटरनेशनल लेवल में होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं में उसमें एक समय तक अमेरिका और यूरोप के छात्र-छात्राएं टॉप करते थे। पिछले कुछ दिनों इसमें बदलाव हुआ और फिनलैंड के छात्रों ने यह जगह ले ली है। इसका कारण वे बताते हैं हम प्रतियोगी परीक्षा में सफल होने के लिए छात्रों को शिक्षा नहीं देते हैं, हम जीवन में टिके रहने के लिए शिक्षा देते हैं।

जस्टिस पालो ने कहा कि बदलते सामाजिक बदलाव में विधि शिक्षा महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वैकल्पिक विवाद समाधान विषय को विधि के छात्रों को बहुत अच्छे से पढ़ाया जाना चाहिए। अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए नहीं बल्कि वे इस विषय के एक्सपर्ट बनकर अपने लोगों को त्वरित न्याय दे सकते हैं। इसके आमजन को लाभ होता है। उन्होंने आर्बीट्रेशन, लोक अदालत, कान्सिलिएशन, मीडिएशन पर प्रकाश डाला और कहा कि इससे न्यायालयों पर पड़ने वाला बोझ कम होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि विधि शिक्षा का करिकुलम भारतीय ज्ञान परंपरा के आधार पर होना चाहिए।

कुलगुरु प्रो. जैन ने कहा कि साथ ही प्रो. जैन ने विद्या भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. अकेला के प्रस्ताव पर सहमति और कहा कि जल्द ही विधि और विधि विभाग की लाइब्रेरी सहित सभी संबद्ध कॉलेजों की लाइब्रेरी में जस्टिस रामा जोइस की किताब उपलब्ध कराई जाएगी। अच्छी संख्या में उपलब्ध कराएंगे ताकि छात्रों आसानी से उपलब्ध हों और वो उनको पढ़ सकें। उन्होंने कहा कि एनईपी-2020 का मूल उद्देश्य और मूल भावना व्यक्ति के हॉलिस्टिक डेवलपमेंट की है। कानूनी शिक्षा के छात्र पहले अपने [illegible] के लिए पढ़ें और उसे फिर समाज और देश को सौंपे। शिक्षा जीवन का उजाला, जीवन का प्रकाश है।